नव भारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

एक असमय बुझी जिंदगी का सबक

इंदौर के छोटी ग्वालटोली क्षेत्र में एक 16 वर्षीय छात्रा ने अपने जन्मदिन से महज कुछ घंटे पहले मौत को गले लगा लिया. छात्रा अपने जन्मदिन पर नए कपड़े खरीदने के लिए पिता से 5 हजार रुपए की मांग कर रही थी, लेकिन आर्थिक तंगी के चलते पिता द्वारा कम पैसे दिए जाने से वह नाराज थी. यह घटना दरअसल, केवल एक परिवार की व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है, बल्कि हमारे समय के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक संकट का गहरा संकेत है. 16 वर्षीय वंशिका का अपने जन्मदिन से कुछ घंटे पहले आत्मघाती कदम उठाना कई असहज सवाल खड़े करता है कि क्या एक ड्रेस के लिए जान देना संभव है ? या यह उस दबाव, अकेलेपन और भावनात्मक असंतुलन का परिणाम है, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं?

मनोविज्ञान हमें बताता है कि किशोरावस्था बेहद संवेदनशील दौर होता है. इस उम्र में भावनाएं तीव्र होती हैं, आत्मसम्मान नाजुक होता है और बाहरी दुनिया का प्रभाव अत्यधिक गहरा होता है. एक छोटी सी निराशा भी उन्हें अस्वीकार या अपमान जैसा महसूस हो सकती है. वंशिका के मामले में 5 हजार रुपये की मांग महज एक आर्थिक आग्रह नहीं थी, बल्कि शायद अपने सामाजिक दायरे में 'स्वीकार्यता' पाने की इच्छा भी थी. आज के डिजिटल और दिखावे से भरे दौर में बच्चों के सामने एक 'परफेक्ट लाइफ' का दबाव लगातार परोसा जा रहा है,सोशल मीडिया पर दिखती चमक-दमक, ब्रांडेड कपड़े और तुलना की संस्कृति उनके भीतर हीनता और अपेक्षाओं का जाल बुन देती है.

लेकिन इस घटना को केवल 'दिखावे की मानसिकता' तक सीमित कर देना भी पर्याप्त नहीं होगा. यहां पैरेंटिंग और संवाद की कमी का पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है. आर्थिक तंगी किसी भी परिवार की वास्तविकता हो सकती है, लेकिन उस स्थिति को बच्चों के सामने कैसे रखा जाए, यह अभिभावकों की जिम्मेदारी है. केवल 'नहीं' कह देना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उस 'नहीं' के पीछे की संवेदनशील व्याख्या और भावनात्मक सहारा भी जरूरी होता है. बच्चों को यह महसूस होना चाहिए कि उनकी इच्छाओं को समझा जा रहा है, भले ही उन्हें पूरा न किया जा सके.

दूसरी ओर, बच्चों को भी भावनात्मक रूप से मजबूत बनाना आज की सबसे बड़ी चुनौती है. उन्हें यह सिखाना होगा कि जीवन में हर इच्छा पूरी नहीं होती और असफलता या निराशा अंत नहीं है. स्कूलों और समाज को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी. मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरुकता, काउंसलिंग और खुला संवाद अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुके हैं.

यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपने बच्चों को केवल सुविधाएं दे रहे हैं या उन्हें जीवन की वास्तविकताओं से भी परिचित करा रहे हैं ? क्या हम उनके साथ इतना समय बिताते हैं कि उनके भीतर के द्वंद्व को समझ सकें ?

वंशिका की असमय मौत दरअसल, एक चेतावनी है परिवार, समाज और शिक्षा व्यवस्था तीनों के लिए. यह समय है कि हम बच्चों की 'जिद' के पीछे छिपे 'संकेत' को पढ़ें, उनके साथ संवाद को मजबूत करें और उन्हें यह भरोसा दें कि कोई भी समस्या इतनी बड़ी नहीं होती कि उसके सामने जिंदगी छोटी पड़ जाए.

विंध्य की डायरी

प्रदेश की राजनीति में नहीं मिला अवसर

डॉ. रवि तिवारी

विंध्य में भारतीय जनता पार्टी ने सामाजिक सन्तुलन बनाने की दृष्टि से लगभग सभी पदों पर नियुक्ति की घोषणा कर दी है. पर यह संयोग ही रहा कि विंध्य के किसी नेता को निगम मंडल में स्थान नहीं मिल पाया. बुंदेलखंड के पन्ना से संजय नगाइच को वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. शेष पर मालवा, निमाड़ और मध्य भारत का दबदबा कायम रहा.महाकौशल को भी उतना महत्व नहीं मिला जितना मिल सकता था. विंध्य विकास प्राधिकरण से लेकर चित्रकूट विशेष

विकास प्राधिकरण तक सभी पदों पर पार्टी की निष्ठा से सेवा करने वालो को मौका दिया गया है. यही वजह है कि कोई नेता व कार्यकर्ता इन नियुक्ति का विरोध नहीं कर रहा. इन नियुक्तियों से यह भी संकेत मिल रहे हैं कि राज्य मंत्रिमंडल में अगर विस्तार हुआ तो विंध्य से कुछ नेताओं को स्थान मिल सकता है. ताकि सरकार में विंध्य की भागीदारी बढ़ सके. अभी नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति की सूची आनी शेष है. जिसमें पार्टी सक्रिय कार्यकर्ताओ को पार्टी स्थान देने पर विचार कर सकती है.भाजपा ने 2028 के लिए होने वाली जमावट का फिलहाल इन नियुक्तियों के साथ शुभारंभ कर दिया है. पद पाने की चाहत के साथ कई नेता दौड में थे लेकिन उनको मौका नही मिला. संगठन ने आगामी चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए नियुक्त की. अब देखना है कि इसका लाभ आगे पार्टी को कितना मिलता है और नव नियुक्त अध्यक्ष संगठन की कसौटी पर कितना खरा उतरते हैं , यह तो आने वाला समय बतायेगा.

अंतर्कलह से जूझ रही आप पार्टी

विंध्य क्षेत्र में आम आदमी पार्टी ने शुरूआती दौर में तेजी से उभरने के साथ संगठन को खड़ा करने का काम शुरू किया. लेकिन अंतर्कलह के चलते पार्टी कमजोर होती चली गई. आपसी खीचतान के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं जो पार्टी के स्थानीय संगठन की कमजोरी को उजागर करते हैं . शुरूआती दौर से ही आप के स्थानीय नेताओं के बीच वर्चस्व की जंग और आपसी मतभेद सामने आने लगे थे. यही वजह है कि संगठन खड़ा नही हो पाया और कार्यकर्ताओ में निराशा छाती गई. पार्टी के आलाकमान द्वारा किये गये बदलावों का भी असर विंध्य के स्थानीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने में नहीं दिख रहा है. आपसी असंतोष पूरे विंध्य में खुलकर सामने आ चुका है. गुटबाजी और समन्वय की कमी के कारण जमीनी स्तर के कार्यकर्ता खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं. धीरे-धीरे पार्टी कमजोर होती चली जा रही है. सिंगरौली में चल रहा विवाद भी थमने का नाम नही ले रहा है. रीवा में भी कई नेता पद से इस्तीफा देकर जिम्मेदारी से हट गये. जमीनी स्तर पर कहीं भी संगठन दिखाई नहीं दे रहा है. उम्मीद थी कि तीसरे विकल्प के रूप में आप पार्टी उभरेगी पर ऐसा दिख नहीं रहा है.

विंध्य में कही भी उतर सकता है उड़न खटोला

समूचे विंध्य क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी चल रही है जहां किसान अपनी उपज बेच रहे है. किसानों को कोई असुविधा न हो और खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे इसके निर्देश प्रदेश के मुखिया डा. मोहन यादव ने अधिकारियों को दिये हैं और खुद औचक निरीक्षण कर फीडबैक ले रहे है. विंध्य में कही भी मुख्यमंत्री का उडन् खटोला उतर सकता है । किसी भी खरीदी केन्द्र का औचक निरीक्षण करने पहुंच सकते है. इसको लेकर खरीदी केन्द्रो में व्यवस्था कुछ हद तक ठीक है. डर् है कि कही भी प्रदेश के मुखिया पहुंच सकते है. गड़बड़ी मिलने पर गाज भी गिर सकती है. मुख्यमंत्री के औचक निरीक्षण को लेकर विंध्य के खरीदी केन्द्रो में अघोषित तैयारी है. किसान भी उम्मीद लगाकर बेठे हैं , अगर प्रदेश के मुखिया उनके खरीदी केन्द्र में पहुंचते है तो अपनी समस्याएं भी रख सकेंगे. सीएम की यह एक अच्छी पहल है कि वह खुद अपनी आंखो से मैदानी हकीकत देखेगे. अधिकारियों को डर् सता रहा है कि कब किस क्षेत्र में सीएम पहुंच जाए ! फिलहाल खरीदी केन्द्रो में अधिकारियों की नजर बनी हुई है.

व्यापार समझौते से विकास की नई शुरुआत

पीयूष गोयल
केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) विकसित दुनिया के साथ की सहभागिता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. यह वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को किसानों, महिलाओं, युवाओं और रोजगार सृजक उद्योगों के लिए ठोस लाभ में बदलने से जुड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण में हुई निर्णायक प्रगति को प्रतिबिंबित करता है. यह एफटीए प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ शामिल हैं, के साथ हुए कई ऐतिहासिक व्यापार समझौतों के बाद हो रहा है. ये समझौते वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं और निर्यातकों को दुनिया की कुछ सबसे लाभकारी अर्थव्यवस्थाओं में, यहां तक कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितता और उथल-पुथल के बीच भी प्रतिस्पर्धा आधारित बढ़त प्रदान करते हैं.

आज भारत विश्वसनीयता की स्थिति के साथ करता है वार्ता

आज भारत ताकत और विश्वसनीयता की स्थिति के साथ वार्ता करता है. पहले के दशकों में व्यापार समझौतों को अक्सर संवेदनशील क्षेत्रों को अपर्याप्त सुरक्षा दिए बिना अंतिम रूप दिया जाता था, इसके विपरीत वर्तमान वार्ताएं सुनिश्चित करती है कि कृषि, डेयरी और अन्य संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित रहे. जैसे-जैसे भारत विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपनी सहभागिता को प्रगाढ़ कर रहा है, विकसित दुनिया के साथ हुए व्यापार समझौते इस तथ्य का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि व्यापार नीति को कैसे राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित किया जा सकता है, जिससे विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में समावेशी वृद्धि और दीर्घावधि आर्थिक सुदृढता सुनिश्चित होती है.

निर्यात और रोजगार को मजबूत बढ़ावा: दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी इस समझौते के केंद्र में न्यूजीलैंड की यह प्रतिबद्धता है कि वह तुरंत ही सभी भारतीय उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा, जिससे उस बाजार में एक महत्वपूर्ण बाधा दूर होगी, जहां हमारे प्रमुख निर्यात पर वर्तमान में 10% शुल्क लगाया जाता है. यह वस्त्र, कालीन, धागे, कपड़े, फुटवियर, बैग, बेल्ट, वाहन घटक, मशीनरी, उपकरण, रत्न और आभूषण तथा हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है. रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाले ये उद्योग भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम की रीढ़ हैं और इन्हें मूल्य प्रतिस्पर्धा और बाजार पहुंच लाभ मिलेगा. इससे निर्यात बढ़ेगा और निर्माण केन्द्रों, कारीगर समुदायों और लघु उद्यमों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा. यह समझौता उस व्यापक दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, जो 2014 में मोदी सरकार के गठन के बाद से भारत की व्यापार नीति का मार्गदर्शन कर रहा है. यह समावेश, सशक्तिकरण और साझा समृद्धि में निहित है. व्यापार को राष्ट्रीय परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों को लाभ पहुंचाता है.

नारी शक्ति इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत का पहला महिला नेतृत्व वाला एफटीए है. इसके साथ ही भारत ने अपने प्रमुख कृषि हितों की मजबूती से सुरक्षा की है. डेयरी उत्पादों (जैसे दूध, क्रीम, दही और पनीर); प्याज, चना, मटर, मकई, बादाम, चीनी और कुछ खास तेल और वसा जैसी संवेदनशील वस्तुओं को शुल्क छूट से बाहर रखा गया है. समझौता सुनिश्चित करता है कि घरेलू किसान हानिकारक आयात प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रहें. किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा करना सभी व्यापार वार्ताओं में भारत के दृष्टिकोण का केंद्र रहा है. युवा और पेशेवर समझौते का एक प्रमुख स्तंभ छात्रों और कुशल पेशेवरों के लिए बढ़ी हुई आवागमन की सुविधा है, जो भारत के युवाओं के लिए नए वैश्विक मार्ग का निर्माण करती है.

पंचायती राज को नई ऊर्जा और दिशा

जब कोई राष्ट्र अपनी जड़ों को सींचता है, तो उसकी शाखाएं आसमान छूती हैं. भारत की वे जड़ें उसकी पंचायतें हैं और उन पंचायतों की आत्मा आज उसकी महिलाएं हैं. 24 अप्रैल 1993 को 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से जब गांवों की सरकार को संवैधानिक मान्यता मिली, तो भारतीय लोकतंत्र ने एक नया अध्याय लिखा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पंचायती राज को नई ऊर्जा और दिशा मिली है. उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सत्ता केवल दिल्ली के गलियारों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के अंतिम गांव की दहलीज़ तक पहुंचे. विकसित भारत 2047 का विजनं 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों की मजबूत नींव पर आधारित है, जो देश की लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या की जीवनरेखा हैं. राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 2026 एक विशेष गौरव के साथ मनाया जा रहा है. नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री ने पंचायती राज संस्थाओं को देश में महिला नेतृत्व की सबसे बड़ी पाठशाला बताया यह उस वास्तविकता की स्वीकृति थी जो आज ग्रामीण भारत में प्रतिदिन घटित हो रही है. नारी शक्ति वंदन अधिनियम 'सशक्त पंचायत नेत्री अभियान' महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनकी संवैधानिक जिम्मेदारियों, अधिकारों और नेतृत्व क्षमताओं के प्रति सजग और सक्षम बनाता है. 'महिला हितैषी ग्राम पंचायत' और 'निर्भय रहो' जैसी पहलें महिलाओं को जमीनी लोकतंत्र में सुरक्षित और सशक्त भागीदारी के लिए प्रेरित कर रही हैं. देशभर में पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों की कुल संख्या 32 लाख से अधिक है. वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, 24, 41, 781 निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 12,14,885 महिलाएं हैं, जो कुल का लगभग 49.75 प्रतिशत हैं.

21 राज्यों में 50 प्रश महिला भागीदारी

विकसित भारत 2047 : गांव से उठेगी नई सुबह विकसित भारत 2047' का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं- यह सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय संतुलन और समावेशी प्रगति का व्यापक दृष्टिकोण है. 21 राज्यों में 50 प्रतिशत महिला भागीदारी, 3 लाख करोड़ का डिजिटल लेनदेन, 23 भाषाओं में ग्रामसभा की आवाज, 16वें वित्त आयोग का ऐतिहासिक आवंटन और सशक्त पंचायत नेत्री अभियान ये सब मिलकर विकसित भारत की नींव की ईंटें हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सिंधिया ने बताया 'लू' से बचने का राज अपनी जेब में रखो प्याज

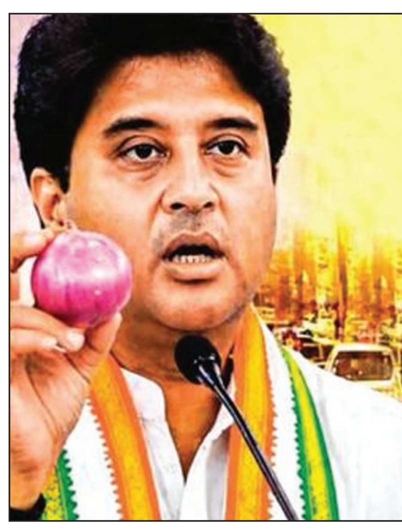

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज हमें लगता है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बयान की वजह से एसी बेचनेवालों का धंधा ठप पड़ जाएगा. उन्होंने ऐसा फार्मूला बताया है कि घर या कार में एसी लगाने की जरूरत ही नहीं! बस जेब में प्याज लेकर चलो तो लू नहीं लगेगी. भीषण गर्मी का मुकाबला प्याज कर लेगा?'

हमने कहा, 'यह गर्म हवा के थपेड़ों से बचने का पुराना नुस्खा है कि बाहर निकलो तो पगड़ी या टोपी के भीतर प्याज रखकर चलो. कान पर कपड़ा बांधो या कपास का फाहा ठूंस लो. भरपूर पानी पीकर निकलो तो सनस्ट्रोक नहीं होगा.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हमें मालूम है कि प्याज का ऐतिहासिक महत्व है. बादशाह अकबर के नवरत्नों में से एक का नाम मुल्ला-दो-प्याजा था. वह जरूर हर दिन 2 प्याज खाते होंगे. प्याज कच्चा खाओ या पकाकर ! उसकी सब्जी बनाओ या पकौड़ा-भजिया! गर्म मौसम में प्याज आपके लिए रक्षा कवच का काम करेगा. प्याज सफेद या लाल होता है. जब प्याज की बंपर उपज होती है और सही भाव नहीं मिलते तो किसान नाराज होकर सड़कों पर प्याज फेंक देते हैं. प्याज के दाम बढ़ना भी मुसीबत पैदा करता है. एक बार दिल्ली की सरकार पर प्याज के ऊंचे दाम की वजह से संकट आ गया था. विपक्ष का कहना था कि गरीब जैसे-तैसे नमक और प्याज के सहारे रोटी खा लेता है. सरकार प्याज के दाम पर नियंत्रण क्यों नहीं लगाती ? ऐसी हालत में विदेश से प्याज मंगाने की नौबत आ जाती है. प्याज से छौंकी बघारी गई दाल व सब्जी स्वादिष्ट लगती है.'

हमने कहा, 'कोई कितना भी प्याज खाए लेकिन बगैर कूलर या एसी के रहना मुश्किल है. कितने ही ढोंगी बाबाओं के राज प्याज की परतों के समान खुलते जा रहे हैं. सनातनी वैष्णव तथा जैन लोग प्याज नहीं खाते.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12246

- डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. अंजनयुक्त, सुरमा लगा हुआ (सं.) 5. पत्र आदि पर लिखा किसी का नाम और रहने का स्थान, खोज 7. त्वचा 8. इंद्रपुत्र जयंत का एक नाम (सं.) 9. नृत्य करना, प्रसन्नतापूर्वक उछलना कूदना 11. लीन होना, भोगविलास के निमित्त कहीं ठहरना, आनंद करना 13. एक कल्पित पत्थर जिसके स्पर्श से लोहा स्वर्ण बन जाता है 16. नक्शा (सं.) 17. निमंत्रण देने वाला 19. शक्ति, बल, क्षमता 21. ऊंचाई 22. विवाह, ब्याह 23. परिणाम, नतीजा, वनस्पति का गूदेदार खाने योग्य भाग 24. साक्ष्य, साक्षी (उर्दू) 25. कपड़े आदि का निश्चित लंबाई का टुकड़ा

ऊपर से नीचे

1. क्रोध दिलाना 2. जल में रहने वाले जीवजंतु (सं.) 3. छाया, छांह, परछाई, घाघरे जैसा एक जनाना पहनावा 4. घर्षण, हलके घर्षण से उत्पन्न चिन्ह, भारी श्रम 5. पेड़ के सूखे हुए पत्ते 6. संगीत में स्वरों का कलापूर्ण विस्तार, खिंचाव 10. केवल नाम के लिए 12. गुरुनानक के मत का अनुयायी 13. योग्यता (सं.) 14. सपाट, जिसकी सतह या तल बराबर हो 15. सिपाही, सेना का 18. धीरे चलने वाला 20. मुर्दा लपेटने का वस्त्र

Solution 12245

चा	ह	क		भा	मि	नी	
ला	ला			व		ल	व
क	ह	वा	सा	ना		कं	ज
	ल	स	ना		प	ठ	न
अ		ना			र		
व	क्त		च	र	म	सी	मा
गो		ना	प		धा	र	
ह	ल	च	ल		म	त	ली

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता मेंसफ्लता मिलेगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा, अधिकारियों का कानूनी मामलों में मेलजोल बढ़ेगा, वर्ष के अन्त में यात्रा कष्टदायक हो सकती है, दाम्पत्य जीवन का निर्वहन होगा, व्यस्तता रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख मिलेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों की शिक्षा में सफ्लता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को कानूनी मामलों में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यात्रा में कष्ट हो सकता है, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अधिकारियों से मेलजोल बढ़ेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों कोउतावलेपन में हानि हो सकती है, सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक साहसी, निडर, महत्वाकांक्षी परिश्रमी एवं कार्यकुशल होगा, बचपन में स्वास्थ्य कुछ नरम गरम रहेगा, बाद में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, माता पिता का विशेष ध्यान रखने वाला होगा, यात्रा का शौकीन होगा, व्यापार करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

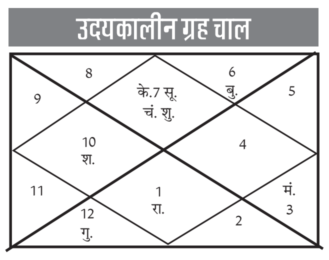

पंचांग

रा.मि. 14 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण तृतीया चन्द्रवासरे रात 2/59, अनुराधा नक्षत्रे दिन 8/15, परिघ योगे रात 9/50, वणिज करणे सू.उ. 5/29, सू.अ. 6/31, चन्द्रचार वृश्चिक, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण तृतीया को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, मूँग, उड़द, मोठ, सरसों, अरंडी, घी, तेल, के भाव में तेजी होगी, कपास, रूई, सूत, पाट, बारदाना, के भाव में साधारण तेजी होगी. भाग्यांक 1412 है.

मेष- देनदारी के चलते आपसी विवाद बढेगा, पुराने निवेश का लाभ मिलेगा, क्रोध पर नियंत्रण रखकर कार्य करें, खानपान पर संयम रखें.

वृषभ- नजदीकी लोगों के कारण परेशानी हो सकती है, अपनी बात मनवाने की कोशिश करें, खास वस्तुओं का संग्रह होगा, पारिवारिक विवाद दूर होगा.

मिथुन- पुरानी उलझनों को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे, धार्मिक कार्यों में मन लगेगा, लाभ होगा. पारिवारिक विवाद दूर होगा, परिश्रम अधिक होगा.

कर्क- रूके हुये कार्य को पूरा करने के लिये किसी की सिफ्रारिश की जरूरत पड़ सकती है, अज्ञात भय तथा चिन्ता दूर होगी, पारिवारिक व्यस्तता रहेगी.

सिंह- अनावश्यक विवाद की संभावना है, वाणी पर नियंत्रण रखें, नौकरी संबंधी कार्यो में सावधानी रखें, माता पिता का सहयोग प्राप्त होगा.

कन्या- बेहतर अवसर सामने आयेंगे, धैर्यपूर्वक कार्य करें, सम्मान मिलेगा, आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी, दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी.

तुला- आपके करीबी लोग ही आपको बीच मझधार में छोड़ देंगे, प्रियजनों से भेंटवार्ता होगी, व्यवसायिक संबंधों में लाभ मिलेगा, परिश्रम अधिक रहेगा.

वृश्चिक- भावनाओं पर काबू रखकर व्यवहारिक निर्णय लें, खानपान पर संयम रखें, कार्य की अधिकता रहेगी, सोचे हुये कार्य बनने का योग है.

धनु- कारोबारी विस्तार को लेकर कार्यस्थल पर खीचातानी बनेगी, संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता होगी, किसी दूर गये मित्र के संबंध में शुभ समाचार मिलेगा.

मकर- कहीं दूर जाने का प्रोग्राम बनेगा, साझेदारी कार्य में मनमुआव आ सकता है, आर्थिक प्रयासों में सफ्लता मिलेगी, पारिवारिक तनाव रहेगा.

कुम्भ- आपको अधिकारों में कटौती का मलाल होगा, प्रिय सूचना मिलेगी, पड़ोसियों से संबंधों में सुधार होगा, रक्त संबंधियों से सहयोग मिलेगा.

मीन- मित्रों की सलाह पर अमल करने से राह आसान होगी, सुविधा के सामान पर खर्च संभव, कोर्ट कचहरी आदि के कार्यो में मन मुताबिक सफ्लता मिलेगी.

SUDOKU 7378

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7377

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8